

665. = 3,62 lith. Ausg. II. d. स्मयवनानर्तित, die Scholien: अल्पं पदितं तस्य स्मयो गर्वस्तद्वशेन जातो यो पवनो वायुरोगस्तेनानर्तितो u. s. w.

667. Vgl. oben zu 611.

672. b. आस्ते halte ich für richtig. निश्चलः heisst wohl nicht *sich zur Ruhe begibt* (genauer wäre gewesen: *sich ruhig verhält* BÖHTL.), sondern आस्ते न पन्निश्चलः *dass es nicht stille da sitzt* (statt den ganzen Tag zu laufen). STENZLER.

676. Vgl. zu Spruch 753.

681. In einer Hdschr. der ÇĀRṆG. PADDH. stehen c. d. vor a. b.

685. = 1,17 lith. Ausg. II. b. अपि st. इह.

692. = HIT. ed. RODR. S. 151. c. d. कृत्तधनवारणवाहिना.

698. = NĪTISAṂK. 68. b. स्रवन्ति wie wir.

708. = BHARṬ. 2, 33 lith. Ausg. II. c. हि st. वा.

711. = 3,94 lith. Ausg. II. c. नोरीणामप्यवज्ञाविलसितवदनी वृद्धः; die Scholien: नारिणामवज्ञाया तिरस्कारेणापि विलसितं विकसितं विदन् मुखं यस्य तादृशो वृद्धभावः.

726. = NĪTISAṂK. 56. c. Besser त्रिजगतो.

728. = BHARṬ. 2, 9 lith. Ausg. II. NĪTISAṂK. 65. c. सुरपतिमपि पार्श्वस्थं सशङ्कितमी-
क्षते NĪTISAṂK.; स्वपार्श्वस्थं, शङ्कते Bh.; die Scholien wie wir.

731. = NĪTISAṂK. 63. c. कथमयं st. परिजनः.

734. = NĪTISAṂK. 74. a. किं भवामो. c. तत्तेपाय तयिणि निचये चित्तमा०. d. नग-
त st. लगत.

738. = 1,99 lith. Ausg. II. a. दृशौ. b. उद्देगकम्पं गतौ st. आलिङ्ग्य कम्पं शनैः. c. मु-
खो st. कृतो. d. शैशिरः खलु st. प्रायः शै०.

739. = 1,90 lith. Ausg. II. b. अतरवक्तम् d. रागं st. दोषं (die Scholien wie wir).

741. = HIT. I, 210 JOHNS. a. स्वरं. b. Richtig पतिव्रतम्; ebenso NĪTISAṂK.

745. Lies in der Note चावितथी st. अवितथी.

746. = 20 JOHNS. S. 8 ed. RODR. b. कुशला० RODR., कुप्रूलपू० JOHNS.

747. = ed. RODR. S. 96. b. सौख्यं नित्यमरेगिता ज०; ज्ञतोः wird zu c. gezogen.

751. c. मृदुगिरा mit sanfter Stimme. STENZLER.

752. Wird in ÇĀRṆG. PADDH. (NĀJAKANĀJIKAJORUKTIPRATJUKTĪ) VĀMANA zugeschrieben.
c. अफलं st. अधुना, यानं für जातं.

753. VIKRAMAK. 220: को ऽर्थः पुत्रेण ज्ञातेन विद्वान् धार्मिकः । तया ग किं क्रियते या
न ग्धी न भिषी ॥ Man lese: को ऽर्थः पुत्रेण ज्ञातेन यो न विद्वान् धार्मिकः । तया गवा किं
क्रियते या न देग्धी न गर्भिणी ॥ Vgl. Spruch 676.

755. a. किं am Anfang Druckfehler für को.